45 वीं वार्षिक रिपोर्ट
45th Annual Report
2009-10

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A Govt. Of India Enterprise)

एम एस टी सी : दृष्टि एवं ध्येय
Vision & Mission of MSTC

दृष्टिकोण

व्यवसाय में विषेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना।

मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा इ-कॉमर्स के माध्यम से जहां तक संभव होगा पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

लक्ष्य

(क) देसी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप मे उभरना और इस संदर्भ में अंतराष्ट्रीय व्यापार घरानों के साथ क्रमिक रूप से संयुक्त रूप से गठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लाजिस्टिक का विकास करना।

(ख) सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्क्रैप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारा के लिए योजना बनाना और आयोजित करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट के ट्रांजसक्शनल विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-ट्रांजक्शन प्रोत्साहित करना।

(घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15% आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।

(ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।

(च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।

(छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम माईनिंग, लॉजस्टिक, वेयरहाऊसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for the various commodities handled by it making the transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

OBJECTIVES

a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.

b) To plan and organize disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularize e-auction.

c) To promote e-commerce/e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.

d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the Net worth.

e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associate.

f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

g) To achieve the aforesaid objectives, promote Joint Ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A Govt. of India Enterprise)

45 वीं वार्षिक रिपोर्ट
45th Annual Report
2009-10

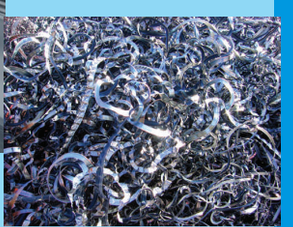

2 निदेशक मंडल
Board of Directors

5 दशक : एक दृष्टि में
Decade at a Glance

6 अध्यक्षीय भाषण
Chairman's Statement

8 निदेशक मंडल की रिपोर्ट
Directors' Report

31 लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report

37 सीएजी की टिप्पणी
Comments of CAG

38 तुलन-पत्र
Balance Sheet

39 लाभ-हानि खाता
Profit & Loss Accounts

61 तुलन-पत्र सार तथा कंपनी के सामान्य कारोबार की रूपरेखा
Balance Sheet Abstract and Company's General Business Profile

63 नगद प्रवाह ब्यौरा
Cash Flow Statement

64 सहायक कंपनी का विवरण
Statement regarding subsidiary company

सहायक कंपनी का प्रतिवेदन एवं लेखा : फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
Accounts & Report of subsidiary Company : Ferro Scrap Nigam Limited

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Shri S. K. Tripathi
Chairman cum Managing Director

श्री जार्ज इलियास, आईएएस
(26.10.09 तक)

Shri George Elias, IAS
(Upto 26.10.09)

डॉ. दलीप सिंह, आईएएस
Dr. Dalip Singh, IAS

सुश्री अनुसुया बसु
Ms. Anusua Basu

श्री जी. एस. चुघ
Shri G. S. Chugh

श्री एल. सिद्धार्थ सिंह
Shri L. Siddhartha Singh

श्री ए. के. बसु
Shri A. K. Basu

श्री बी. बी. सिंह
Shri B. B. Singh

प्रबंधन दल
Management Team

श्री एस. एस. चौधुरी
सीजीएम (ओ)
Shri S. S. Chaudhuri
CGM (O)

सुश्री मधुमिता बसु
सीवीओ
Ms. Madhumita Basu
CVO

श्री ए. के. दस्तिदार
सीजीएम (सीपी)
Shri A. K. Dastidar
CGM (CP)

श्री ए. के. माथुर
महाप्रबंधक (एचआरएम)
Shri A. K. Mathur
GM (HRM)

श्री तापस बसु
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
Shri Tapas Basu
GM (F&A)

श्री अशोक कुमार
महाप्रबंधक (बीडी)
Shri Ashok Kumar
GM (BD)

कंपनी सचिव
श्री सुब्रत कुमार राय

Company Secretary
Shri Subrata Kumar Ray

लेखापरीक्षक
मेसर्स देवकी विजय एंड कंपनी
सनदी लेखापरीक्षक

Auditors
M/s. Deoki Bijoy & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स
आईसीआईसीआई बैंक
एचडीएफसी बैंक
बैंक ऑफ इंडिया
इंडियन बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
पंजाब नेशनल बैंक
युनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया
इंडियन ओवरसीज बैंक

Bankers
ICICI Bank
HDFC Bank
Bank of India
Indian Bank
Union Bank of India
State Bank of India
Punjab National Bank
United Bank of India
Indian Overseas Bank

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यलय
225-सी आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700 020
Telephone : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
Fax : (91-33) 2287-8547, 2240-4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

एमएसटीसी आज

आज एमएसटीसी मिनी रत्न कैटेगोरी-I सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। यह शेड्यूल्य-बी कंपनी है। यह इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनाधीन है।

एमएसटीसी लिमिटेड का गठन 1964 में हुआ था। एक छोटी-सी ट्रेडिंग कंपनी आज एक बहुउत्पाद ट्रेडिंग कंपनी में बदल चुकी है। यह भारतीय उद्योग के इस्पात एवं संबंधित क्षेत्र के आयातित और देशीय कच्चे माल की सोर्सिंग करने के रूप में मुख्य भूमिका अदा कर रही है।

एमएसटीसी का प्रधान कार्यालय कोलकाता में है। इसका आज क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई और मुंबई में है। शाखा कार्यालय बैंगलोर, बड़ौदा एवं विशाखापत्तनम में है। तीन फिल्ड कार्यालय त्रिची, भोपाल और हल्दिया में है।

एमएसटीसी आज निरंतर लाभ देने वाली कंपनी है। इसने राष्ट्र के लिए धन अर्जित किया है। लाभांश, कर और लाभ के माध्यम से इसने देश के राजस्व में अपना योगदान दिया है। 2010 में इस कंपनी का रिकार्ड करपूर्व लाभ रु.135.99 करोड़ है और इसकी आरक्षित राशि रु.406.25 करोड़ है।

एमएसटीसी गरीबों के उत्थान के प्रति प्रतिबद्ध है और नैगमिक सामाजिक दायित्व के निर्वाह और समुचित सेवाओं के माध्यम से अलग तरह से सक्षम लोगों की गुणवत्ता को भी उन्नत करती है।

कारपोरेट गवरनेस के दिशा-निर्देशों के अनुसार एमएसटीसी के पास वरिष्ठ प्रबंधकों की प्रतिबद्ध और सक्षम टीम है और छोटी, मगर शिक्षित एवं प्रभावकारी 311 कर्मचारियों की टीम कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में है।

MSTC today

MSTC today is a category I, miniratna Public Sector Schedule B Company under the administrative control of Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964, MSTC Ltd., a small trading company has grown into a large multiproduct diversified trading company serving the Indian industry by being a prime catalyst in sourcing of imported/domestic raw materials for the steel and allied sector.

Headquartered at Kolkata, MSTC today is having regional office at Kolkata, Delhi, Chennai and Mumbai with branch offices at Bangalore, Vadodara, and Visakhapatnam. Three field offices are located at Trichy, Bhopal and Haldia.

MSTC today is a continuous profit making company creating wealth for the nation by a large contribution with its dividend, Taxes and profit. Company ended up the year 2010 with all time record profit before tax of Rs. 135.99 Crore and has created a reserve of Rs. 406.25 Crore.

MSTC is committed to the upliftment of poor and improving the quality of life of “differently abled persons” by various CSR initiatives and appropriate services.

MSTC has a committed and competent team of senior management as per Corporate Government guidelines and a small but qualified and effective team of 311 employee located at different offices of the company.

दशक : एक दृष्टि में

Decade at a Glance

(रु. करोड़ में)
Rs. in Crores

बर्ष Year	व्यवसाय की मात्रा Volume of Business	कुल कारोबार (विक्री एवं सेवा प्रभार) Turnover (Sales & Service Charge)	करपूर्व लाभ (पीवीटी) Profit Before Tax (PBT)	करोत्तर लाभ (पीएटी) Profit After Tax (PAT)	प्रदत्त लाभांश Dividend Paid
2000-01	868	336.20	6.32	3.79	0.77
2001-02	1034	434.12	7.15	4.54	0.92
2002-03	2669	2058.81	16.73	9.04	1.82
2003-04	4182	3309.53	33.69	18.74	3.76
2004-05	6481	4898.62	64.77	38.30	7.68
2005-06	7784	4092.55	85.70	54.68	10.96
2006-07	7730	2998.93	90.87	59.00	11.88
2007-08	11923.78	5054.93	134.47	92.20	18.48
2008-09	19627.87	6933.51	129.53	85.05	17.05
2009-10	12738.44	4193.09	135.99	86.10	17.22

अध्यक्षीय भाषण
Chairman's Statement

प्रिय सदस्यो,

इस बैठक में मैं आप सब का स्वागत करता हूं और इस कंपनी में आने के बाद से यह हमारी दूसरी मुलाकात है। इस दूसरी मुलाकात पर मैं अपनी खुशी का इजहार करता हूं।

इस समय जब मैं इस कंपनी की 45वीं वार्षिक साधारण सभा में आप सब को संबोधित कर रहा हूँ मैं संतुष्टि और गर्व के अहसास से भरा हुआ हूं। विगत वर्षों में हम न केवल एमएसटीसी को आगे विकास के पथ पर ले गए बल्कि व्यावसायिक दर्शन में परिवर्तन के माध्यम से हम एक ऊंचाई को हासिल करने में भी सफल हुए और भविष्य के प्रतियोगिता युद्ध में हम अपने को अधिक सफल सिद्ध करेंगे।

एमएसटीसी के विकास की कहानी आप सब जानते हैं। वर्ष 2009-10 वैश्विक स्तर पर सुधार का वर्ष था और यह उल्लेख करना अनावश्यक होगा कि भारत के सभी क्षेत्रों में सराहनीय सुधार हुआ है। आपकी कंपनी ने भी अपनी स्थिति मजबूत की है और उन प्रतिकूल परिस्थितियां जो 2008 में वैश्विक गतिरोध के परिणाम के स्वरूप आई थी, से बाहर निकल सकी है।

पिछली एजीएम में जब मैंने आपको संबोधित किया था तब एमएसटीसी के ग्राहक संकट के दौर से गुजर रहे थे और वे आयातित स्टॉक जो, उनके लिए ही आयात किया गया था, नहीं उठा रहे थे। पिछले 12 महीनों में काफी मात्रा में स्टॉक उठाए गए हैं। हमने जो रणनीतियां बनायी थीं समान रूप से दोनों के लिए हितकारी रहीं और हम अपने ग्राहकों को बेहतर से बेहतर सेवाएं देने के लिए उन्नतशील निर्णय लेते रहेंगे।

वित्तीय परिणाम, जो आपको दिए गए हैं, में आप देख सकते हैं कि इस कंपनी ने वर्ष 2009-10 में 136 करोड़ का रिकार्ड कर पूर्व लाभ किया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 5% ज्यादा है। इसके लिए मैं अपने कर्मचारियों की सेवा, सरकार के सहयोग, अपने बिजनेस एशोसिएट्स और ग्राहकों के सहयोग की सराहना करता हूं।

Dear Members,

I welcome all of you at this meeting and would like to express my happiness on meeting you for the second time, since I took over.

I am overwhelmed with a sense of satisfaction and pride while I address you as Chairman of your company in this 45th Annual General Meeting of the company. In the preceding year, we in MSTC have not only taken this company forward on the growth path but also have been able to achieve some far reaching paradigm shifts in our business philosophy and sharpened our competitive edges for battles that lie ahead.

MSTC's growth story is known to you all. The year 2009-10 was the year of recovery worldwide and needless to mention the economic revival has been commendable in almost all sectors, so far as India is concerned. Your company also has strengthened its position and has brilliantly come out of the adverse situation which was the result of a worldwide recession in the year 2008.

When I addressed you in the last AGM, MSTC's customers were passing through a lean phase and were not lifting the stocks imported for them. During last twelve months, stocks have moved substantially. We have adopted strategies that are mutually beneficial and shall continue to take innovative decisions to serve our customers better and better in times to come.

As you can make out from the financial results available to you, we have made a record profit before Tax of Rs. 136 cr in the year 2009-10 which is 5% higher than the last year. For this, I acknowledge the services of our employees, cooperation of Govt., our business associates and customers.

कंपनी के उच्च प्रबंधन को मजबूत और सक्षम बनाने के आशय से अब हमारे पास दो अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक एक वित्त में और दूसरा वाणिज्य में हैं। हमारे निदेशक मंडल में दो स्वतंत्र निदेशक और दो भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक भी हैं। सरकार ने कारपोरेट अभिशासन के लिए अनिवार्य दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हम उनका अनुपालन कर रहे हैं। कारपोरेट सामाजिक दायित्व और वेलफेयर के संदर्भ में सरकार की अन्य दिशा-निर्देशों का भी पालन दैनांदिन व्यवसाय के साथ किया जा रहा है।

आप सब जानते हैं कि हम स्वतंत्र बाजार के युग में जी रहे हैं और व्यवसाय करने के लिए हमें प्रतियोगिता करनी होती है। हम दूसरी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ सफलतापूर्वक प्रतियोगिता कर रहे हैं। इसके साथ-साथ ही कुछ क्षेत्रों में निजी क्षेत्रों की कंपनियों के साथ भी प्रतियोगिता कर रहे हैं। एमएसटीसी के लिए टिके रहना इसलिए संभव हो सका है कि हम अपने ग्राहकों और व्यावसायिक एशोसिएट्स को सेवाएं और संतुष्टि दे रहे हैं।

मुझे लगता है कि जो चिंता का विषय है वह भी आपके साथ शेयर करना चाहिए। 2007-08 में दुबई और पड़ोसी देशों को निर्यात किए गए स्वर्ण आभूषण की बड़ी बकाया राशि हमारी चिंता का मूल विषय है। हालांकि खरीदारों ने उधारी की जिम्मेदारी मान ली है। लेकिन अभी तक भुगतान आना शुरू नहीं हुआ है। निर्यात इसीजीसी की बीमा गारंटी तथा स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के रिसेवेबल परचेज एग्रीमेंट, जो आईसीआईसीआई लंबार्ड की बीमा कंपनी द्वारा समर्थित है, द्वारा सुरक्षित है। बीमा कंपनियां एक के बाद एक कारण बताकर अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कर रही हैं। हम क्रेता, एशोसिएट्स, इसीजीसी और बैंकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम अपनी सांवैधानिक सीमा के दायरे में अपने प्रयासों से बकाया रकम को वसूल करने में सफल होंगे।

इ-कॉमर्स के बिजनेस में छोटा सा नया व्यवसाय भी जुड़ा है। ओएमडीसी के लिए आयरन ओर, डलोमाइट और लाइम स्टोन। तमिलनाडू सरकार के लिए चाय का ऑक्शन। दिल्ली सरकार के एनसीआर क्षेत्र के स्क्रैप का निपटान और नवम्बर, 10 से एमओआईएल के मैंगनीज ओर के इ-ऑक्शन का कार्य आरंभ होने की संभावना है।

हम वादा करते हैं कि हम आने वाले वर्षों में एमएसटीसी का नाम एक प्रगतिशील कंपनी के रूप में बनाए रखने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे और अपने शेयर होल्डर्स के लिए धन कमाते रहेंगे, जो अंतत: इस देश का है।

आप सबने मुझ पर और मेरी टीम पर जो भरोसा, विश्वास किया इसके लिए आप सबके प्रति आभार प्रकट करता हूं।

दुर्गापूजा और दीपावली की शुभकामनाओं सहित।

जय हिंद।

एस के त्रिपाठी
अध्यक्ष
45वीं वार्षिक साधारण सभा
27 सितम्बर, 2010

We have now two additional functional directors one in Finance and another in Commercial to consolidate and strengthen the top management of the company. We also have two independent directors and two Govt. of India nominee directors on the Board. Government has issued mandatory guidelines on corporate governance and we are complying with the same. Other Govt. Guidelines on Corporate Social Responsibility and welfare measures are also being complied with along with our normal business.

You all know that we are into a free market regime and need to compete with others to get the business. We have been successfully competing with other public sector companies and also with few private sector companies in some segments. The sustained success of MSTC could be possible because we are able to deliver and satisfy our clients and business associates.

The area of concern which I feel I should share is huge outstanding of receivables due to the export of gold jewellery undertaken in 2007 and 2008 to some buyers in Dubai and neighbouring countries. Though the liability have been accepted by the buyers but no payment has started as yet. The transaction is secured by ECGC guarantee and Receivable Purchase Agreement by Standard Chartered Bank, backed by insurance of ICICI Lombard. The insurance companies are not settling on one plea or the other. We are taking necessary legal steps against the buyers, associates, ECGC and Banks. We are confident that we will take all out efforts to recover the amount within the legal means available to us.

Though small but some of the new businesses added are the e-auction business of OMDC for iron ore, dolomite and limestone, e-auction of tea for Govt. of Tamilnadu, disposal of scrap generated in NCR area by Delhi Government and e-auction of Manganese ore being sold by MOIL is likely to come from November 2010 onwards.

We promise that we would continue to take all efforts to keep MSTC's name as a vibrant and promising company and continue to create wealth for the shareholders and ultimately for the nation.

I thank all of you for the trust and confidence reposed on me and my team.

Best wishes of Puja and Deepawali.

Jai Hind.

S. K. Tripathi
Chairman
45th Annual General Meeting
27th September, 2010.

निदेशक मंडल की रिपोर्ट

सेवा में,
शेयरधारको,
एमएसटीसी लिमिटेड,

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 45वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) व्यापार

विपणन प्रभाग द्वारा किए गए व्यवसाय की कुल राशि रु. 6384.87 करोड़ है। पिछले वर्ष 2008-09 में रु. 8507.44 करोड़ थी। 2008-09 के समानांतर 2009-10 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
खरीद	**2009-10**	**2008-09**
आयातित सामग्री	3783.92	6411.96
देशीय सामग्री	2395.87	1466.86
निर्यात	205.08	628.62
कुल	6384.87	8507.44

हालांकि आयातित सामग्री की मात्रा में कमी आई है परंतु देशीय सामग्री की मात्रा में वृद्धि हुई है। वर्ष 2008-09 की तुलना में 2009-10 में कीमत में आई कमी की वजह से मुख्य रूप से कमी आई है।

ख) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि रु.6353.57 करोड़ है। पिछले वर्ष 2008-09 में रु. 11120.43 करोड़ थी। 2008-09 के समानांतर 2009-10 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2009-10	**2008-09**
स्क्रैप और मैंगनीज की बिक्री	2015.83	1740.43
कोयले की बिक्री	4084.00	4593.00
	6099.83	**6333.43**

ग) इ-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2009-10	**2008-09**
इ-प्रोक्योरमेंट	253.74	4787.00

DIRECTORS' REPORT

To
The Shareholders
MSTC Limited.

Directors are pleased to present the 45th Annual Report on the business and operation of the company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2010.

A) TRADING:

The performance of Marketing Division shows a total volume of business of Rs. 6384.87 Crore, against volume of Rs. 8507.44 Crore in 2008-09. Break-up for the year 2009-10 vis-à-vis 2008-09 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (Rs. in Crore)	
	2009-10	**2008-09**
Procurement of:		
Imported materials	3783.92	6411.96
Indigenous materials	2395.87	1466.86
Export	205.08	628.62
Total:	6384.87	8507.44

Though there is fall in volume of imported material but the volume of indigenous materials registered an increase. The decrease is mainly attributable to a fall in prices of commodities in 2009-10 vis-à-vis 2008-09.

B) AGENCY BUSINESS:

This year the total volume of Agency Business stands at Rs. 6353.57 Crore, against volume of Rs. 11120.43 Crore in 2008-09. Break-up for the year 2009-10 vis-à-vis 2008-09 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (Rs. in Crore)	
	2009-10	**2008-09**
Sale of Scrap & Manganese	2015.83	1740.43
Sale of Coal	4084.00	4593.00
	6099.83	**6333.43**

C) e- PROCUREMENT

Business Segment	Volume of Business (Rs. in Crore)	
	2009-10	**2008-09**
e-Procurement	253.74	4787.00

विगत पांच वर्षों के व्यापार की मात्रा

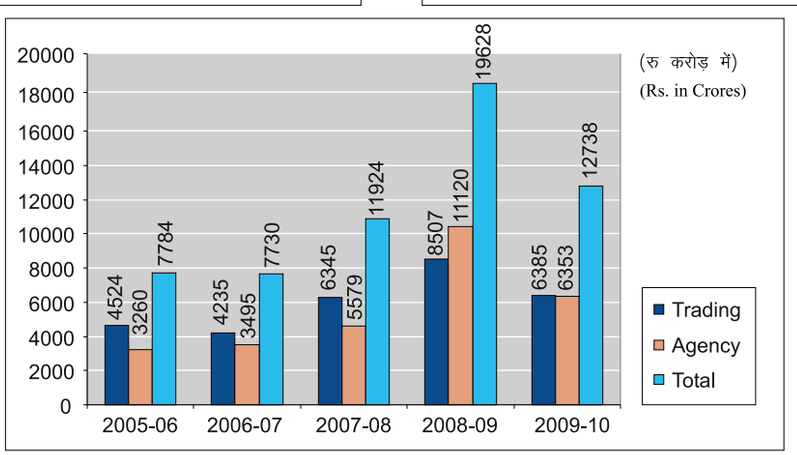

Volume of Business Last Five Years